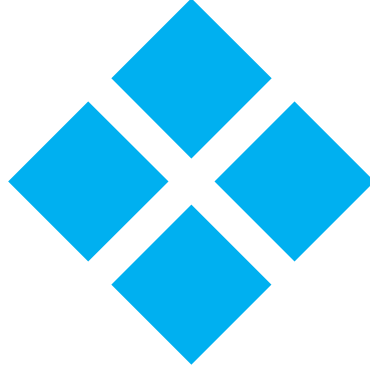


वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन 2014– 15



मारुत नारायण सेवा संस्थान, नागौर (राज.)

रामपोल चौराया स्टे इन रोड. नागौर (राज.) 341001

विषय-सूची

क.स.	विवरण
------	-------

1. संस्था का परिचय
2. कार्यक्षेत्र का परिचय
3. कार्यक्रम विवरण

- हस्तशिल्प
- नशा मुक्ति जागरूकता शिविर
- सिलाई कटाई प्रशिक्षण
- महिलाओं को कानूनी जागरूकता शिविर
- कन्या भ्रूण हत्या व जागरूकता शिविर
- व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पॉर्लर)
- पर्यावरण जागरूकता शिविर

1. कार्यकारिणी प्रबन्ध मण्डल
2. कार्यालय परिवार
3. संस्थागत सदस्य सूची

परिचय

संस्था की स्थापना:- संस्था की स्थापना बच्चों एवं महिलाओं के कल्याणार्थ अनुसूचित जाति/जनजाति, अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र, शिक्षा एवं पर्यावरण क्षेत्र में की गई।

संस्था का रजिस्ट्रेशन :- संस्था का रजिस्ट्रेशन राजस्थान रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1960 के अन्तर्गत नागौर से करवाया गया रजि. नं. 190 दिनांक 24.1.2009 है। रजिस्ट्रेशन स्थाई तथा कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण राजस्थान है।

मारुत नारायण सेवा संस्थान महिलाओं में जागरूकता व समाज के शोषित व गरीब वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए संस्था कार्य के लिये तत्पर रहती है, संस्थान महिलाओं के आर्थिक उत्थान हेतु स्वरोजगार कार्यक्रम, वृद्धों, अपंगों, असहायों, विधवाओं, गरीबों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों अनुसूचित जाति/जनजाति के लोगो में विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक व समाज के, बाल श्रम रोकथाम व गरीब वर्ग एवं सामाजिक कार्यक्रमों द्वारा समाज में फैली कुरीतियों एवं हिन्दी शिक्षा का प्रचार-प्रसार के लिये तत्पर है। एवं विभिन्न सरकारी व गैर सरकारी योजनाओं का आई.ई.सी. गतिविधियों के द्वारा प्रचार-प्रसार कार्य कर रही है।

संस्था कार्यक्रम विवरण :-

संस्था द्वारा 2014 – 15 सत्र में किए गए कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

हस्तशिल्प :-

संस्थाद्वारा इस पिछड़े. एवं अनुसूचित बाहुल्य क्षेत्र में गत कई वर्षों से हस्तशिल्प के विकास एवं संवर्द्धन बाबत लगातार प्रयास किए जा रहे हैं संस्था द्वारा स्वयं के स्तर पर डिजाइन एवं तकनीकी वर्क शॉप का आयोजन क्राफ्ट बन्धेज एवं एम्ब्रोइडरी में 2 वर्क शॉप का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत संस्था द्वारा NATIONAL INSTITUTE OF FASHION TECHNOLOGY के प्रतिशिक्षित डिजाइनर की सेवाएं ली गईं। डिजाइनर द्वारा इन हस्तशिल्पियों को नये –2 डिजाइन तथा नई वस्तुएँ बनाना सिखाया गया जिससे इन हस्तशिल्पियों को काफी फायदा पहुंचा। इस प्रशिक्षण के दौरान इन हस्तशिल्पि प्रकार की सुविधाओं को समस्त उपलब्ध करवाई गई नये डिजाइन से इन हस्तशिल्पियों की आमदनी में काफी वृद्धि हुई उन्हें अब अपने उत्पादन का पूरा मुल्य मिलने लगा तथा बाजार में भी उनके उत्पादन की माँग बढ़ने लगी। संस्था द्वारा स्वयं के स्तर पर इन हस्तशिल्पियों में दक्षता बढ़ाने के लिए दक्षता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन भी किया गया जिसके अन्तर्गत इन हस्तशिल्पियों को दक्ष प्रशिक्षक से क्राफ्ट एम्ब्रोइडरी एवं बन्धेज में 20-20 हस्तशिल्पियों को निः शुल्क प्रशिक्षण दिया गया प्रशिक्षण के उपरान्त इन हस्तशिल्पियों की दक्षता में सुधार आया तथा वह अपने कार्य को और अच्छे ढंग से करने लगी जिससे उनकी आमदनी में बढोतरी हुई उनकी आर्थिक सुदृढ हुई संस्था द्वारा हस्तशिल्पियों के उत्पादन की बिक्री में लगातार प्रयास किये जा रहे हैं उन्हें स्थानीय बाजार जिला स्तरीय बाजार एवं जयपुर दिल्ली, चण्डीगढ़, जोधपुर, जैसे बजारों से भी जोड़ा गया है ताकि इन हस्तशिल्पियों को उनके उत्पादन का पूरा मुल्य मिले सके हस्तशिल्पियों का सीधा सम्पर्क एक्सपोर्ट्स से भी करवाया गया। संस्था द्वारा नाबार्ड, जिला उद्योग केन्द्र, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड व समाज कल्याण बोर्ड आदि द्वारा लगाए जाने वाले मेलों में भी इन हस्तशिल्पियों को भेजा जाता है। जिससे कि उनका

ग्राहक से सीधा सम्पर्क कायम हो सके। संस्था का भरसक प्रयास है कि इस सीमावर्ती क्षेत्र के लोग जो बेरोजगारी एवं भुखमरी से तंग आकर अन्य स्थानों पर पलायन कर रहे हैं उन्हें रोका जा सके जिससे संस्था को सफलता प्राप्त हुई लें

- संस्था हस्ति शिल्पियों को आगे लाकर इन को अपने हाथ से बनी हुई वस्तुओं को बाजार की मांग के अनुसार तैयार कर हस्ति शिल्पियों को प्रशिक्षण दिया।
- संस्था हस्ति शिल्पियों व हैण्डिक्राफ्ट को प्रोत्साहन देती है।
- अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके ताकि बेरोजगारी समाप्त हो जायें।



नगा मुक्ति जागरूकता िाविर :-

नगा-नागा है। मंहगाई के युग में आज की नौजवान पीढी नगे में औरतों के साथ भारीरिक व मानसिक अत्याचार कर महिलाओं व युवतियों को बेईज्जत कर घर से निकाल दिया जाता है आये दिन ऐसी घटनाएँ होती रहती है। नगा त्यागने की भापथ दिलाई गई तथा संस्था द्वारा स्वयं के द्वारा व्यवसाय स्थापित कर लोगों को व्यवसाय से जोड़ा।

बेरोजगारी को समाप्त करने के लिये लोगो को प्रेरित किया। तथा संस्था इस क्षेत्र में निरन्तर कार्य कर रही है। इनके प्रति लोगों को जागरूकता िाविर का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया।



सिलाई कटाई प्रििक्षण कार्यक्रम :-

(सीखों और कमाओं हुनर के साथ,) संस्था द्वारा इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए बढ़ रही मंहगाई व बेरोजगारी से मुकाबला करने के लिये गरीब एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं एवं युवतियों को स्वयं के स्तर पर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने हेतु सिलाई कटाई हेतु नि: शुल्क प्रििक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 60 महिलाओं एवं युवतियों को कुशल प्रििक्षण दिया गया। प्रििक्षणार्थियों को बाजार की मांग के अनुसार प्रििक्षण दिया गया तथा स्व-रोजगार प्राप्त कर अपने परिवार के लिए बोझ न बनकर सहारा बन सके। संस्था स्वयं सहायता समूह का गठन कर स्वयं के रोजगार हेतु प्रेरित कर रही है। इस प्रििक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 180 महिलाओं एवं युवतियों को स्वावलम्बी बनाया गया इस प्रििक्षण कार्यक्रम में प्रििक्षण प्राप्त 180 प्रििक्षणार्थियों में से 155 प्रििक्षणार्थी स्वरोजगार प्राप्त कर अपने परिवार के लिए एक बोझ न होकर सहारा बन रहे हैं इन महिलाओं में अधिकतर महिलाएँ 7000 से 8000 रूपयें प्रति माह आय अर्जित कर रही हैं।

- संस्था महिलाओं के मान सम्मान को पुरुषों के बराबर समान दिलाना व कदम से कदम मिलाकर चलना सिखाती है ताकि महिलाओं को सम्मान मिल सके।
- संस्था महिलाओं को रोजगार हेतु अपने व अपने परिवार का भरण – पोषण करने में सहयोग कर रही है।



महिलाओं को कानूनी जागरूकता शिविर :-

संस्था ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के प्रति जागरूक करने बाबत एवं उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागृत करने हेतु महिला जागरूकता शिविर एवं नूकड. नाटकों का आयोजन कर ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह दहेज प्रथा व नारी उत्पीड़न आदि पर समाज सेवकों द्वारा महिलाओं को जागरूक किया, वह इनको पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने व अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने का कार्य संस्था निरन्तर कर रही है।

- संस्था महिलाओं को अपने स्वयं के आत्मविश्वास को जागरूक करने के लिए संस्था हमें तत्पर रहती है ।
- महिला उत्पीड़न व उनके हित में राज्य सरकार द्वारा जो धाराएँ लागू की हैं उन धाराओं के बारे में महिलाओं को जागरूक करना ।



कन्या भ्रूण हत्या व जागरूकता शिविर :-

घर की बेटी लक्ष्मी, बेटी बचाओं बेटी पढाओं, संस्था द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया राज्य के राजस्थान क्षेत्र में कई जगह लड़की को बोझ समझकर उन को कोख में ही मार दिया जाता है कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम हेतु संस्था द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लड़के व लड़कीयों के बीच गिरता अनुपात व लड़कियों को लड़को के बराबर का दर्जा नहीं देना और उन को शिक्षा के क्षेत्र में लाना ये सब शिविर में बताया गया और आने वाले युग को बताया कि बेटी दो घरों को बराबर लेकर चलती है आप सब को बेटी को महत्व देना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को बेटा-बेटी में फर्क नहीं करे और लोगों को बेटी बचाओं के लिए आंगनवाड़ी व स्कूलों में अपील की गई कि हम सभी को बेटी को बचाना है साथ ही संस्था का यह प्रयास है कि आने वाले समय में इस जघन्य अपराध को कम किया जा सके तथा लोगों को बताया गया कि सरकार द्वारा लक्ष्मी योजना व ऐसी कई योजनाएँ चला रही है जिस से बेटी आप को बोझ नहीं समझें।, इस के लिये लोगों को जागरूक किया ।

- बेटियाँ एक परिवार को नहीं बल्कि दो परिवारों को जोड़े कर रखती है।
- संस्था सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुँचाकर लोगों को भुभ लक्ष्मी योजनाओं के बारे में अवगत कराती है ।
- संस्था बेटियों को बेटों के बराबर देखे व इन की शिक्षा पर ध्यान देने के लिये प्रेरित करती है



पर्यावरण जागरूकता व आई. ई. सी.गतिविधियों एवं िविर :-

॥जल ही जीवन है॥

॥जल है तो कल है॥

संस्था द्वारा जल कनेक्शन हेतु िविर का आयोजन किया गया व आम जन को बताया गया की पर्यावरण को दूषित होने से कैसे बचाया जा सकता है व 70 प्रतिशत बिमारीयों से छुटकारा मिल सकता है संस्था ने लोगो को बताया कि विभाग के द्वारा आयोजित जल कनेक्शन िविरों में भाग लेकर जल कनेक्शन के लिए आवेदन कर जल संरक्षण कों महत्व देवें। तथा स्वच्छ भारत का निर्माण में हमें पूर्ण सहयोग करना चाहिये। व पानी को कम से कम व्यर्थ बहने नही दे और वर्षा जल को इकट्ठा करना चाहिए। इस क्षेत्र में संस्था निरन्तर कार्यरत है।



व्यवसायिक प्रििक्षण कार्यक्रम (ब्यूटी पार्लर) :-

संस्था ने कार्यक्रम के अन्तर्गत (साथी हाथ बढ़ाना मेहनत कर कमाना) गरीब चयनित परिवार की युवतियों एवं महिलाओं को निः शुल्क ब्यूटी पार्लर का प्रििक्षण हेतु कैम्प का आयोजन किया गया, तथा बताया गया की कम लागत पर अच्छी आमदनी हो सके तथा ब्यूटी पार्लर प्रििक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत 25-25 प्रििक्षणार्थियों कें 2 बेंचों का संचालन कर संस्था ने स्वयं के प्रयासों से किया, संस्था इस प्रकार के कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्वावलम्बी बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार करने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को समस्त प्रकार के सौन्दर्य प्रसाधनों के बारे में अनुभवी प्रििक्षिका द्वारा प्रििक्षण दिया गया तथा संस्था द्वारा 50 महिलाओं को प्रििक्षण का लाभ मिला जिसमें 30 प्रििक्षणार्थियों ने स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ किया वह

अपने परिवार के अच्छे भविष्य के लिये सहयोग दे सके। व साथ ही संस्था द्वारा चलाये गये इस प्रिक्षण कार्यक्रम से इस क्षेत्र में महिलाओं एवं युवतियों में रोजगार के लिए उमंग पैदा हुई, वह संस्था का कार्यक्रम साथी हाथ बढ़ाना मेहनत कर कमाना लोकप्रिय रहा। संस्था स्थापना तिथि से आज तक प्रगति के पथ पर अग्रसर है संस्था अपने उन सहयोगियों का स-धन्यावाद करती है जिन्होंने संस्था की हर सम्भव सहायता की।

- आज के मंहगाई के जमाने में महिलाओं व नवयुवतियों को कुछ न कुछ कर अपने घर परिवार में सहयोग कर सके।
- घरेलू व्यवसाय कर अपने घर परिवार का सहयोग करने हेतु आगे रहे।

कार्यालय :- मारुत नारायण सेवा संस्थान , नागौर

कार्यालय – परिवार

सत्र – 2014 – 15

क्र.सं.	नाम	पद
1.	रेखा पंवार	मैनेजर
2.	फराह मिस्त्री	कम्प्यूटर ऑपरेटर
3.	संतोश	लेखाकार

4.

सरला जाजडा

सहायक


5.

सलिम खान

फिल्ड ऑफिसर

संस्था स्थापना तिथि से आज तक प्रगति के पथ पर अग्रसर है संस्था अपने उन सहयोगियों का स-धन्यवाद करती है जिन्होंने संस्था की हर सम्भव सहायता की

(Surendra Pal)



Secretary
Marut Narayan Sewa nsthan